प्रेषक.

हा भूजियर कार अप्य सचिव उत्तरामस सामन

संदा में

निदेशकः आयुर्वेदिक एवं घूनानी रोताएः उत्तरांचलः, देरचदूनः।

विकित्सा अनुनाग-1

में इरायुक्त विनोबंदा o मेर्. 2008

विषयः

वित्तीय वर्ष 2006-07 में अनुवान संख्या-12 के अन्तर्गत आयुर्वेद विनाग की विभिन्न योधनाओं के क्रियान्वयन हेतु वित्तीय स्वीकृति के सन्बन्ध में।

न्हात्य

उपयुंधत विषयक प्रमुख सचिव, विता दिमान के यह संच्या-इडाई() / XXX वि(1)/2006 हिना है अप्रेस, 2008 से सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि वर्ष 2008-27 से आय-खया का नार स्वीकृत होने व तत्वान्यक्षी वितियान अधितियम, 2006 पारित होने के प्रकार कर विकरण रिक्षा (आयुर्धर किया) की घोजनाओं के कियान्वयम हेतु अनुवान संख्या-12 के अन्वयात के. 1. संदर्भ में मदाद्वी, वियुद्ध पर व्यवण के स्व में सरकारी सेवकों तथा ग्रंथ सरकारी सेवकों के विवास पर व्यवण का प्रवास के का व्यवण के स्व में सरकारी सेवकों तथा ग्रंथ सरकारी सेवकों के विवास का व्यवण का मुख्यान सुनिश्चा विद्यान के किराया, पंतान, जीविश मोजन व्यव, पेट्रोस, देश होने तथा क्षेत्र आवश्यक व्यवण का मुख्यान सुनिश्चा विद्यान के किराया स्व 2006-07 के लिए उपशेषन व्यवण मुख्य में ( 01 अग्रेस से 30 वर्षण 2006 तक को विद्यान स्व विद्यान के किराया को अपरात्व करते सुर) आयोजनात्व पत्र में यह 435030 वर्षण (यह प्रवास किराया) स्था आयोजनेत्वर पत्र में सूठ 4343458 व्यवण (योवालीस करते हैं तिवालीस नाव विवरण करते हैं। प्रवास का के स्व साम हिमार पर प्रवास के स्व प्रवास करते हैं। प्रवास करते हैं। प्रवास करते हैं। स्व प्रवास करते हैं। स्व प्रवास करते हैं। स्व प्रवास करते हैं।

- 2-- सर्थ 2000-07 की नई मांग की योजनायत पक्ष की स्वीक्तियां, आयोजनेत्वर एक में करपन्या मन्ने की स्वीकृतियां, समस्त चालू निर्माण कार्य, नये निर्माण कार्य, छपकरण व सर्वत्र का रूप तथा पारन का क्य आया महों की स्वीकृतियां शासान/वित्त दिनाम की सहमति से निर्मत की कार्यण।
- 3— या उन्हें के पूर्व जिन नामलों ने प्रचार मेनुआत, पित्तीय प्रसापतिका के नियमों एका शन्य रूपकी आदेशों के अन्तर्गत शासलीय अवधा अन्य सलन प्राविकारी का स्वीकृति को आवायकता है, उनने व्यव करने के पूर्व प्रत्येल कार्य के आगणनों / पुनरीक्षित जागणनों पर प्रसारतीयक एवं वित्तीय कार्यन्तम के साथ-कार्य विन्तु आगणना पर स्थान अधिकारी को देविनकार स्वीकृति भी व्यवस्त प्राप्त कर तो प्राप्त मार्थों हेतु पूर्व वर्ष स्थानित व्यव की पीजिंग कारके प्रशासकीय विभाग कार्यदायी संस्थाओं को अवस्था कार्यों क्या त्या के अभूतर बीतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीजा / अनुकार किया जाना अनिवार्य रूप से आवस्थक क्षणा।
- 4- वर्ष 2003-07 के आय-व्यवक में गुन्न ऐसी योजनाएँ सिम्मिलित हैं किनका व्यव सरकार अथवा अन्य संस्थाओं द्वारा वहन किया जाना है। उन घोलनाओं के कार्यान्वयन की स्वीकृतियां उसी दशा में दी जाय, जब



वाज वादन कर जन संवाओं से योजना है नार्यन्यन तथा सहायता दी बनवारे। के दिवा ने उद्यानित कार्यन का आमिलकों से पुष्टि बन दें कि मान्दीय तक विकास का अमिलकों से पुष्टि बन दें कि मान्दीय तक विकास का वादा राज्य के समेकित निधि में धनसारी स्थानान्दारित कर दी गयी है। यह भी सुनिरिव्य कर लिया आने कि जारी किये गए राज्याश के सापन अमेकित केन्द्राश अथवा बाह्य सहायता प्रत्येक दशा में बित्तीय वर्ध के दौरान प्रत्ये हो जायें। इन पोजनाओं की स्थीकृति भी जहां आवश्यक है, निर्धाजन/दित्त विभाग की पूर्व सहमित से गिर्णत की जायें।

- 5- विलीय वर्ष 2008-07 के लिए संलम्बक में उल्लिखित लेखाशीर्षण के उन–केखाशीर्षक 12, 14, 16, 20, 26, 45, 46 में उल्लिखित धनशक्षि के लिए यथासमय प्रस्ताव उपलब्ध कराते हुए शासन√वित्त विभाग की रातमित प्राप्त किया जाना आवश्यक होगा।
- 8— जिन योजनाओं में बिगत वर्ष की प्रतिपूर्ति प्राप्त की जानी शब्दोन हो, कामें समस्त ब्रोटवर्गिकावर् इंत्याची पूर्ण किया काना सुनिश्चित किया जायेगा । भारत सरकार की समय से ऑडिट की हुई प्रतिपूर्त के देयन प्रस्तुत किये जाये , वाकि उसके समार में प्रतिपूर्ति दावी के मुनतान में शक्तिगई/विलय्ग न हो ।
- 7— फिली भी शासकीय व्यय हेतु भण्डार क्षय प्रक्रियां(स्टोर प्रसेज करन विस्तीत नियम संग्रह—रिक्टीक अभिजारो प्रतिनिधानन लियम)विस्तीय नियम संग्रह खन्ड-रॉब माग –(लेखा नियम)आम-व्यवक एउटवी नियम (देजट नेनुजल) तथा रुग्य सुसंगत नियम, शासनावंश संख्या—008(1)/XXVII(1) 2028 दिनांक, 21 क्षप्रेज, 208 ( धायप्रते संकर्ण ) आदि वा कढाई से अनुपासम सुनिश्चित किया जाव। संसम्बक्त— यथोपरि

नयदीय, ( ३१० भूपिन्दर छीर) अपर फविव

संख्या:-821%XXVIII (1)/2006-162/2005 तददिनांक प्रतिलिपि निन्नाक्षेत्रित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

महालेखाकार, उत्तरांचल, मालरा, देहरायून।

निजी स्थित, स्वव मुख्यमंत्री जी।

जगरत जिल जिल्हरी उपार्ययल।

समस्त कामधिकारी, उतारावल।

समस्त जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी , कताशंचल।

बजद राजनोगीय संसाधन एवं विकास निर्देशालय, उतासंघल।

विश्व(ब्यव नियन्नग) अनुभाग-3/नियोजन विभग/एन०आई०सी०।

विभागीय पुत्तिका।

-



अनुदान संख्या—12	धनराशि	(इजार फपरे हैं)
लेखस्तीर्षक		आयोजनेतार
2210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य		
02-शहरी स्वास्थ्य सेवायें-अन्य घिकित्सा पद्धतियां		
१०५-आनुर्वेद		
03-निदेशन तथा प्राम्लन		
0301-अायुर्वेदिक एवं यूनानी निवंशालय और निरीक्षणालय		
६१-वेदन	3440	4702
03-मेहनाई शता	1445	1975
6≈—चन्त्रा थाय	110	
05-स्यामान्सरम् यात्रा स्याव	110	110
05-00FC 45	376	
७७-ना-द द	50	517
C3-572 g 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2	350	
09— धेपुत देव	110	200
10~चलावर/चल प्रनार	40	30
11-लेखन शामग्री और फार्गा औ छवाई	110	25
12-1 विवय छन्ति हो जन्महर	1200	100
13-हिलाफोन पर छाव	200	500
14-नापालक प्रयोगार्थ स्टाक कारो/नोटर गावियाँ का कर		200
15-गाँवयों का अनुवान और पेट्रील आदि को दारीद	0	01
कि या बसायक तथा बिराय संप्राधी के लिए मुगतान	200	150
17-पिश्रामा, समयुक्ता सार कर -रवामित्व	50	50
28-महोनि और संज्ञा/एनकर्म और संस्थ	300	700
27-चिकिस्ता स्पर्ध प्रतिकृति	50	50
गठ-आवाचा चात्रा व्यव	50	200
के किन्दुदर शहीबर/साम्टवेबर का कव	50	100
47-क पूर्वर अनुस्वर्ग / तत्स्वन्दी स्टेशन्यी का क्रम	50	0
43 रावणाई प्रदान	100	225
	1720	2351
4.4	10113	12286

2210-चिकिस्सा सधा लोक स्वास्थ्य

u2-शहरां स्वास्थ्य रोवार्य-अन्य विकित्सा पद्धतिया

१०१-वादुवेद

04-विमागीय औषधि विनिर्माण

0401-राज्य औषधि निर्नामशाला



01—देशन १९५ - मार्चिक	665	The second second
No. of the last of		
02—सळ बुरी	0	100
03-महराई भारत	479	92/
04—ASSE 1884	10	20
D6-2/85 H3T	85	242
07—10संख	D.	5
व8—कामोश्य च्या	100	.50
Da-चित्रुत राष	100	800
10-जलकर/शंस प्रभार	10	10
11-तंदन सामग्री आर फार्ने की छवाई	100	50
12-लार्यास्ट फर्नीचर ६३ ८५७४०	100	50
इंड लड्ड निर्मास कार	500	0.
ad- मर्गाने और संपत्त / उपजरंग और संदेव	Ü	50
21-चिकिस्त व्यय विवर्षत	20	50
25 - Mg-271	104	100
31-सामग्री आर सम्पति	0	5,700
42-81-0 1210	50	50
45-शवधार यात्रा व्यव	50	50
46- सम्मूटर लटीबर/साम्ट्रॉबर का कृष	100	(51)
47- शस्याप्त अनुसाम / तारान्वची एटेशनरी का कथ	0	50
48-मार्गा थेतम	220	1100
योग	2474	8301
2212-विकेट्स दक्षा स्वास स्वास्त्रव		
02-शहरी स्वाक्रम्य सेवार्थे-अन्य विकित्ता यहारियाँ		
101-अत्युक्त		
05 SIERLIN UNI WOUNT		
1602 - अपूर्वेदिक चिक्तिसम्बद्ध तथा औषधालय		
Q1-27F	1243	4000
०७-मंचपाई भवा	525	5000
04-वाजा व्यय	50	100
०६-स्थाना-शरन यात्रा घोट	100	100
os-sira kidi	137	y54,0
08—स्वार्याकृत्य स्थाप	100	200
cs=िशुर चेत	100	100
10-व्यलकर/कल प्रभार	50	50
11-लेखन सामग्री और फार्नी की छपाई	100	200
12-कार्यालय फर्मीवर एवं उपलस्य	O	200
१/ फिट्या रुपयुरण ठार जन नस्यानित्य	Ō.	400

÷

21- वरीन और साम्या / सम्बन्ध और सम्बन्ध	340	200
27-भिलित्सा व्यय प्रतिपृत्ति	:00	1400
३१-सामग्री और सन्पूर्ति	500	1,000
३७- अविको स्थायन	1000	2000
42-2 FE 32E	100	100
45- स्टब्स्सी जन्म साद	50	160
45-65-15-37-	324	7000
Į.	य 4824	34590
2210-ाचे जस्मा तथा साक स्वास्थ्य		
02-राहरी स्टास्ट्य संवार्ध-अन्य विकास पद्धतिया		
101-आयुर्वेद		
06-गर-सरकारी संस्थाओं को संबंधक अनुदान (बायुदंव)		
000 - भारते व हिक्किता परिषद का अनुवान		
23 राष्ट्रायाः अनुदान/अश्रदान/राज सहाधारा	Q	:300
ं 602-रोर सरकारो आयुर्विदेक सस्याओं को अनुदान		7000
zc-राज्ञायक अनुदान/अज्ञादान/राज्य सहायता	0	1030
१४०३- भारतीय विक्रिक्त मरिषद को शाज्य ने स्थापना		7000
01-009	ō	01
C3 - Fig. 412 44211	0	01
Commercial Contract	0	G.
Co-4774 C 200	0	01
a.		- 01
याः	7 0	2004
2210~विकित्स तथा लोक स्वास्थ्य		
02-गहरी स्थास्थ्य संवाय-अन्य विकित्सा यस्तिय		
101-शारुपंट		
08आपूर्वेदिक		
ue गुर्वितेक शिकासालयों का अधिकास(शहरी/ग्रामीन)		
क्षा-इसस् त्रायका व्याकासायाचा का सालकासायाची		
63-10-10-10-1	5910	150000
5A-2731 E42	1539	8/200
्र-प्राच्या साम् द्वाच्या साम्	20	400
देवन्य मत्	70	500
ue-कारोल्य व्यय	429	17629
०० विद्युत हेन	100	1000
10-ज्यलकर/जलप्रमूर	100	500
11-लेखन सानधी और फार्मी की छपाई	50	200
जा सामाना का का अवाई	250	500

12- वार्ष अस् प्रामीवर एवं जनकरण		2000	1879
१७-शिसाया, उपगुल्क और अन-स्वामित		800	2300
25- लघु रिर्माण		g	500
26-महीने और संदर्श / सम्बद्ध एवं संवय		2259	800
27-विकित्स स्वय प्रतिपृति		300	1600
25- 937614		0	800
अ- रामधी सम्पूरी		800	3300
30 - अप दे हिंदा रक्तादर्ग		18000	10000
42 1-12 2711		100	500
4 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1		2955	65000
	योग	27572	348508

2210 - विकित्स तस्य लोग स्वास्थ्य 05 - विकित्सा विसा प्रशिवन एवं अनुसंज्ञान १४१ - अन्य स्थ्य 65 - अन्य स्थ्य 6001 - आयुर्वेदिक वृत्तानी कालेस्ट तथा उनसे सम्बद्ध अस्मतानी का जानीप्रकान

07-前四年	1028	18000
चंड <del>- ग्रेहताई अल</del> ्ला	399	755
DA-GTS EUG	B	50
05-स्थान स्टब्स् याजा स्वय	ō	33
वर्ग-अन्य भारते	115	1980
M-district our	100	100
ध <del>्र विद्या द्रव</del>	0	200
वण-जलकर/जलप्रमार	Đ	50
प्रकृतिक सामको छ ५ कामी की छनाई।	50	53
: ३- कार्यालय धर्नोधर एवं <b>८</b> ५% त्य	٥	300
13- डेलीकोन पा स्थव	0	50
15-गांडियों का अनुसाम और मंद्रोल आदि की खरीद	0	20
16- व्यवस्थिक राध्य विशेष सेवाओं पर व्यथ	0	10
21—धार्व्सि, व्यक्तिम	С	3520
24—पृष्ठत निर्माण कार्य	۵	500
20- नहीं ने बार संख्या एवं उपवारण एवं संबन	Ð	50
27-थिनित्सा प्राम प्रतिपूर्ति	114	1200
28-3/534-	200	350
३१-पासपी सम्पूर्ति	300	200

39-	अभिमे एसायन
42-	-Sittle Blea
45-	-असकाश यात्रा
48-	नहराई देतन

1500	500	
100	200	
160	100	
9000	514	
38368	3625	21 21
444345	48608	नहादीग



2397

क्षत्र कृतिस्ता कार बारा कार्यः साराजिक सामान

1241 20

Prista, Childre Vert

## The of the second

error from the are

निवार पर्य १८०५-१८ में अनुसार संदर्भाद में स्थार्यत होता है। जा ते का निवार के किया है। की विमानका हैतु कि तक महिद्या के सम्बन्ध था।

HEIGH

2- एरं १८८८-१७ जो न्यू सांव को अवस्थात का का स्वानुतानों, सामितांच्या का ने प्रान्तकार के से स्वीनुत्तियां, स्वयंत्र वाल् निर्माण कार्य, की निर्माण कार्य, काल्या के सीमा लागा का माना का पांचा का गर्दा की स्वीन्तियां र ताल् / विकार विकार की स्वानी से निर्माण कि सांविती;

2— व्यव प्राप्त का एवं किल कारतों से अबद में कुछत के लिए इत्याद्वित को लिया। यह प्राप्त कारती का अवदित कारती कारती कर कर कर अवदित कारती का अवदित कारती कारती का अवदित का अवदि

ा । जन कर हता मेर दिया है कि पारतीय हो। जन्म को जन्मिकों से पुरिद्र कर है कि पारतीय है को है। जन की सुनिद्र कर है कि पारतीय है कि पारतीय है के उन्हें की सुनिद्र कर है कि पारतीय है। जन की सुनिद्र कर है कि जान कि पारतीय के कि जान की पारतीय की पारत

विकास का अध्यानकों ने लिए तालाम में प्रतिपत्तित संवार्तिय के प्रान्तिकों के प्रान्तिकों के प्राप्त के लिए के प्राप्त के प्राप्त के लिए के के लिए के लि

हम कि संस्थात में दिया को तो प्रीति है जात भी धारी कारोग है, उस प्रमात के स्थाप के प्रीति की हुई प्रति हि से देवल स्थाप करते हैं।

> ( चार सुप्रेन्दर सीर) अपर समित

- The state of the

20 TO TO SUPPLE OF

TO MESSAGE WAS ARVESTED TO A CHARLEST

ं भूग हर प्रस्तिवास सम्बन्धी उत्तराम्य

- I've that I views to have feature, emerged

/- Internal Company of the Company o

ar top grater



	B1316	
	-	
A STATE OF THE PARTY OF THE PAR	-	
re- and an experience of the sales of their		
	-	
1. 4. 5. 52 58	-	
48		



1 - 70 - 01 - 100	_

	VALUE OF THE PARTY	
	180	2
	-753	-
	100	
		11
	-50	100
	31	
		5
	55.5	3
	750	
		6
	2-15	-10
		10
		- Chi
70.71	53.15	(78)

J. W.

1000

and the second s		
	-	
	-	
	-	
	100	
E-man and a page of		
	_	

## A SHE SHE SHE SHE

Samuel Control

	200	
G-Wester Street	327	
	7,50	
	502	
	100	
	100	
	630	
	29	
	530	
	380	